भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2680
उत्तर देने की तारीख 17.03.2025

गुजरात के लोक संगीत और पारंपरिक प्रदर्शनकारी कलाओं का संरक्षण और संवर्धन

2680. श्री जसवंतसिंह सुमनभाई भाभोर :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गुजरात के लोक संगीत और पारंपरिक प्रदर्शनकारी कलाओं को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों का ब्यौरा क्या है;

(ख) गुजरात में लोक कलाकारों को प्रदान की गई वित्तीय सहायता का ब्यौरा क्या है;

(ग) गुजरात की परंपराओं को बढ़ावा देने के लिए लोक संगीत समारोहों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन में सरकार की भूमिका क्या है; और

(घ) गुजरात की पारंपरिक प्रदर्शनकारी कलाओं को राष्ट्रीय सांस्कृतिक उत्सवों में शामिल करने की पहल का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): भारत सरकार द्वारा संस्कृति मंत्रालय के नियंत्रणाधीन स्वायत्त संगठन, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (डब्ल्यूजेडसीसी), उदयपुर (राजस्थान) की स्थापना गुजरात राज्य सहित इसके सदस्य राज्यों के लोक संगीत और पारंपरिक प्रस्तुतियों को परिरक्षित और संवर्धित करने के लिए की गई है। डब्ल्यूजेडसीसी गुजरात राज्य सहित अपने सदस्य राज्यों में नियमित आधार पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यकलापों और कार्यक्रमों का आयोजन करता है।

(ख): वर्ष 2024-25 के दौरान डब्ल्यूजेडसीसी द्वारा गुजरात के 670 कलाकारों को 72.67 लाख रुपए प्रदान किए गए हैं।

(ग): डब्ल्यूजेडसीसी अपने द्वारा देश में आयोजित लोक संगीत उत्सवों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में गुजरात की परंपराओं को प्रदर्शित करने के लिए गुजरात के लोक कलाकारों को शामिल करता है, जिसके लिए उन्हें मानदेय, यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता, भोजन और आवास, स्थानीय परिवहन आदि का भुगतान किया जाता है।

(घ): संस्कृति मंत्रालय देश में राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव (नेशनल कल्चर फेस्टिवल) आयोजित करता है जहाँ गुजरात राज्य सहित पूरे देश की पारंपरिक प्रस्तुतियों को एक ही स्थान पर प्रदर्शित किया जाता है। वर्ष 2017-18 में गुजरात के अहमदाबाद में एक राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव का आयोजन किया गया है।

इसके अतिरिक्त, डब्ल्यूजेडसीसी शिल्पदर्शन मेला, शिल्पग्राम उत्सव, लोकोत्सव, वसंतोत्सव, गेड़ महोत्सव, डांग दरबार, मरू महोत्सव, लोक रंग, लोकानुरंजन, नारेली पूर्णिमा, राष्ट्रीय एकता दिवस, पुष्कर मेला, भगवान बिरसा मुंडा राष्ट्रीय जनजातीय महोत्सव, बूंदी महोत्सव, मत्स्य महोत्सव, रणकपुर जवाई बांध महोत्सव, कोटा महोत्सव, बेणेश्वर मेला, मरु महोत्सव आदि का भी आयोजन करता है जहां गरबा और तलवार रास, डांग और राठवा नृत्य, सिद्धि धमाल, मेवासी एवं पावरी नृत्य आदि जैसे लोक/आदिवासी कला रूप प्रस्तुत किए जाते हैं।

*****